अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

(हिंदी अनुभाग)

अंसारी नगर, नई दिल्ली-29

फा.सं.5-1/2023-हिं.अ. दिनांक: 13.09.2023

पृष्ठांकन

विषय : हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्रियों तथा सचिव (स्वास्थ्य) के द्वारा जारी संदेश।

उपर्युक्त विषय पर भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, निर्माण भवन, नई दिल्ली के दिनांक 05.09.2023 के पत्र सं.13015/04/2021-हिंदी के साथ प्रेषित माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्रियों तथा सचिव (स्वास्थ्य) महोदय द्वारा जारी हिंदी दिवस संबंधी संदेशों की प्रतियां संस्थान के सभी विभागों/अनुभागों/केंद्रों को सूचना/आवश्यक कार्रवाई हेतु, एतद्द्वारा, पृष्ठांकित की जाती हैं।

संलग्नक: यथोपरि।

13.9.2023

(प्रेम सिंह तोमर)

वरिष्ठ हिंदी अधिकारी

वितरण:-

1. सभी केन्द्र-प्रमुखगण/विभाग/अनुभाग-अध्यक्षगण।
2. निदेशक/संकायाध्यक्ष/चिकित्सा अधीक्षक महोदय के निजी सचिव।
3. अपर-निदेशक (प्रशासन)/ वित्त सलाहकार एवं राजभाषा अधिकारी/ उप-सचिव महोदय के निजी सचिव।
4. मुख्य प्रशासन अधिकारी/अधीक्षण अभियंता/वित्त सलाहकार महोदय के निजी सचिव।
5. प्रभारी-संकाय (कंप्यूटर सुविधा) - कृपया इसे संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड करवाने की कृपा करें।

P-33060441/2023

E0-1202261
11/9/23

सं. ई-13015/04/2021-हिंदी
भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

निर्माण भवन, नई दिल्ली।
दिनांक: 05.09.2023

विषय: हिन्दी दिवस के अवसर पर माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्रियों तथा सचिव (स्वास्थ्य) के द्वारा जारी संदेश।

14 सितंबर को पूरे देश में हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है जिसका उद्देश्य सभी केंद्रीय कार्यालयों के सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना है। इस अवसर पर माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रो. एस.पी.सिंह बघेल, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रविण पवार तथा स्वास्थ्य सचिव श्री सुधांश पंत द्वारा जारी संदेश/ अपील इस पत्र के साथ परिचालित किए जा रहे हैं।

इन संदेशों में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय इसके सभी विभागों तथा उनके नियंत्रणाधीन/अधीनस्थ/संबद्ध कार्यालयों, उपक्रमों और आयुर्विज्ञान संस्थानों आदि के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से आग्रह किया गया है कि वे अपने सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग करें।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सभी कार्यालयों, चिकित्सा संस्थानों आदि से अनुरोध है कि इन संदेशों को प्रमुखता से परिचालित करें तथा हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं और बैठकों में इनका पाठ सुनिश्चित करें।

5/9/23
(परमानन्द आर्य)
निदेशक (रा.भा.)

सेवा में,
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सभी विभाग तथा उनके नियंत्रणाधीन/अधीनस्थ/संबद्ध कार्यालय, उपक्रम और आयुर्विज्ञान संस्थान।

11-9-2023

13.09.2023

13/9/2023

हिंदी अनुभाग/Hindi Section
अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली/AIIMS, ND
जावक सं./D.No. ......1425......
दिनांक/Date ...13-09-2023

डॉ. मनसुख मांडविया
DR. MANSUKH MANDAVIYA

मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
व रसायन एवं उर्वरक
भारत सरकार
Minister
Health & Family Welfare
and Chemicals & Fertilizers
Government of India

संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को मेरी शुभकामनाएं।

भाषा किसी भी राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने का एक सशक्त माध्यम होती है। यह न केवल भावों, विचारों और संवेदनाओं को अभिव्यक्त करती है, बल्कि किसी देश की सामाजिक और सांस्कृतिक धरोहर की संवाहिका भी होती है। हिंदी देश की सबसे बड़ी संपर्क भाषा है, जिसकी अपनी एक सुदीर्घ–सामाजिक और समावेशी परंपरा रही है। पिछले कुछ वर्षों से न सिर्फ़ देश के भीतर बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों और विश्व स्तर पर हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ी है।

कदाचित हिंदी की इसी विशिष्टता को देखते हुए संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को स्वाधीन देश की राजभाषा का दर्जा दिया गया था। हिंदी एक सरल एवं सहज भाषा है। इसलिए अपने दैनिक कामकाज में इसका ज़्यादा से ज़्यादा व्यवहार करना हम सभी का कर्तव्य है।

इस अवसर पर मैं यही कहना चाहूंगा कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा इसके सभी संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों/उपक्रमों और आयुर्विज्ञान संस्थानों आदि के सभी वरिष्ठ अधिकारी अपने कामकाज में हिंदी का उपयोग ज़्यादा से ज़्यादा करें जिससे कि उनके अधीनस्थ अधिकारी एवं कर्मचारी भी इसके लिये प्रेरित और उत्साहित हों।

(डॉ. मनसुख मांडविया)

कार्यालय: 348, ए-स्कंध, निर्माण भवन, नई दिल्ली – 110011 • Office: 348, A-Wing, Nirman Bhawan, New Delhi - 110011
Tele.: (O): +91-11-23061661, 23063513 • Telefax : 23062358 • E-mail : india-hfm@gov.in

प्रो. एस.पी. सिंह बघेल
PROF. S.P. SINGH BAGHEL

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR
HEALTH & FAMILY WELFARE
GOVERNMENT OF INDIA

सन्देश

हम सभी को एक बहुभाषी देश का नागरिक होने पर गर्व है । भारत में अनेक भाषाएं बोली जाती हैं लेकिन हिन्दी ही वह भाषा है जो सबसे अधिक बोली व समझी जाती है । हिन्दी विश्व की सर्वाधिक प्रयोग की जाने वाली भाषाओं में से एक है । साथ ही देश में सम्पर्क भाषा की भूमिका निभाते हुए हिन्दी हमारे विविधतापूर्ण देश को एक सूत्र में बांधती है । इसीलिए दिनांक 14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा ने हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया था । अतः हम प्रतिवर्ष **14 सितम्बर को "हिन्दी दिवस"** के रूप में मनाते हैं ।

हिन्दी अत्यन्त सरल एवं सहज भाषा है । इसमें देशी और विदेशी भाषाओं के तत्वों को आत्मसात् करने की अपार क्षमता है । अपनी सहजता और बोधगम्यता के कारण देश में ही नहीं अपितु विदेशों में भी हिन्दी के प्रचार–प्रसार में वृद्धि हुई है । हमारी तेजी से बढ़ती हुई आधुनिक अर्थव्यवस्था में विकास के लाभों को शीघ्र और प्रभावी ढंग से जन–जन तक पहुंचाने के लिए भाषा का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है । अतः यह आवश्यक है कि हम अपने सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाएं ।

यह प्रसन्नता की बात है कि **"हिन्दी दिवस"** के अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा इसके अधीनस्थ/नियंत्रणाधीन और सम्बद्ध कार्यालयों और आयुर्विज्ञान संस्थानों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी में अधिक–से–अधिक कार्य करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से हिन्दी सप्ताह, पखवाड़ा और हिन्दी माह मनाया जा रहा है और विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है । मैं आशा करता हूं कि **"हिन्दी दिवस"** पर आयोजित इन प्रतियोगिताओं में अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण बढ़–चढ़कर भाग लेंगे ।

हिन्दी दिवस के अवसर पर मैं आप सबसे आग्रह करता हूं कि आप सरकारी कामकाज में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करें । मेरा विश्वास है कि एक बार आप हिन्दी में कार्य करना आरम्भ कर देंगे तो कुछ ही दिनों में आपको हिन्दी का प्रयोग करना सरल व सहज लगने लगेगा । आदरणीय प्रधानमंत्री जी का यही विचार है कि हम गुलामी की मानसिकता से पूर्ण रूप से मुक्त हों और आत्मनिर्भर बनें । इसके लिए हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करना हमारा दायित्व है ।

मैं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को "हिन्दी दिवस" की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं एवं हिन्दी प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन की कामना करता हूं ।

(प्रो. एस.पी. सिंह बघेल)

कमरा सं. 650, छठा तल, ए विंग, निर्माण भवन, मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली–110011, फोन : +91–11–23061998
Room No. 650, 6th Floor, 'A' Wing, Nirman Bhawan, Maulana Azad Road, New Delhi-110011, Tele : +91-11-23061998
E-mail : mos-hfw@gov.in

डॉ. भारती प्रविण पवार
Dr. Bharati Pravin Pawar

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री
भारत सरकार

MINISTER OF STATE FOR
HEALTH & FAMILY WELFARE
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

हमारी भाषा अगर सरल-सहज होगी, तभी वह सामने वाले को प्रभावित और प्रेरित कर सकेगी और निश्चित रूप से हिंदी एक सरल-सहज भाषा है, जो पूरे देश में पढ़ी, लिखी, बोली तथा समझी जाती है। यह हिंदी भाषा की व्यापक पहुंच ही थी जिसके चलते इसे राजभाषा का दर्जा दिया गया। वास्तव में, जब हम राजभाषा के रूप में हिंदी का उपयोग करते हैं तो एक तरह से हम संविधान में निहित उन अलिखित प्रतिबद्धताओं और जिम्मेदारियों की बात कर रहे होते हैं जिनकी संकल्पना हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान की रूपरेखा तैयार करते समय की थी। स्वाधीनता संग्राम के दौरान हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओँ ने राष्ट्रीयता की भावना जागृत कर सम्पूर्ण भारतीयों का प्रतिनिधित्व किया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी कहते हैं हिन्दी को एक सक्षम और समर्थ भाषा बनाने में अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई है और उसी का परिणाम है कि वैश्विक मंच पर हिन्दी लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रही है। हिंदी तथा दूसरी भारतीय भाषाओं के जरिए हम देश के विराट जन-मानस से जुड़ सकते हैं जो कि किसी भी लोकतांत्रिक शासन की आधारभूत शर्त है।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्रालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों तथा इसके सभी कार्यालयों, संस्थानों, स्वायत्त निकायों चिकित्सालयों से मैं अनुरोध करना चाहूंगी कि वे अपने सरकारी कामकाज में हिंदी भाषा का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें। राजभाषा से संबंधित नियमों/ अधिनियमों तथा वार्षिक कार्यक्रम और उसके लक्ष्यों को पाने की दिशा में भी गंभीर प्रयास किए जाने की जरूरत है क्योंकि हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की निर्भरता हमें देश की जनता से जोड़ेगी और वही हमें जनता के प्रति समर्पित सेवक बनाएगी। अपनी हिंदी को मजबूत रखने के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओँ को भी स्वीकार करें।

इस अवसर पर हिंदी में काम करने वाले सभी अधिकारियों को मेरी ओर से बधाई। और सभी अधिकारी और कर्मचारी हिंदी में कामकाज की शुरूआत आज संकल्प लेकर कर सकते हैं। हिंदी में काम करना बहुत आसान है बस प्रेरणा, प्रयास, प्रचार, प्रसार, प्रोत्साहन और प्रतिबद्धता की आवश्यकता है।

हिंदी का सम्मान करें
देश का अभिमान बनें..

BPw

(डॉ. भारती प्रविण पवार)

Office: 250, 'A' Wing, Nirman Bhavan, New Delhi-110011, Tel. : 011-23061016, 23061551, Telefax : 011-23062828
E-mail : mos-health@gov.in

सुधांश पंत
सचिव
Sudhansh Pant
Secretary

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत सरकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
Government of India
Department of Health and Family Welfare
Ministry of Health and Family Welfare

संदेश

आज हिंदी दिवस है। आज के ही दिन हिंदी को देश की राजभाषा घोषित किया गया था। हिंदी दिवस के इस अवसर पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा इसके सभी संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों/उपक्रमों और आयुर्विज्ञान संस्थान आदि के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूं।

यह सुविदित है कि हमारा मंत्रालय अपने कामकाज के लिहाज से सामाजिक दायित्वों और सरोकारों से जुड़ा हुआ है। इस विशाल देश में जन सामान्य को किफायती स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना हमारा प्राथमिक और महत्वपूर्ण दायित्व है, लेकिन देश को यह सेवा अगर हम हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के माध्यम से दे सकें तो हम आम जनता के साथ सीधी सहभागिता निभा सकते हैं। इसके लिए हम सभी को सिर्फ अपने रोजमर्रा के सरकारी कामकाज में हिंदी का व्यवहार ही नहीं करना होगा, बल्कि उस व्यवहार को निर्धारित लक्ष्यों तक भी ले जाना होगा।

नि:संदेह यह एक बड़ी और सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसे हम सभी को मिल-जुलकर निभाना है। आइए हम सभी संकल्प लें कि अपने कामकाज में हिंदी का अधिक से अधिक उपयोग करेंगे।

एक बार फिर हिंदी दिवस की बधाई।

सुधांशु पंत

(सुधांश पंत)

Room No. 156, A-Wing, Nirman Bhawan, New Delhi-110 011
Tele : (O) 011-23061863, 23063221, E-mail : secyhfw@nic.in